इंडियन एक्सप्रेस समूह

जनसत्ता

कोलकाता रविवार 7 मार्च 2010 14 पेज रु. 4.00 कोलकाता, दिल्ली, चंडीगढ़, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित (डाक सोमवार 8 मार्च

संकट में हैं कारुगेटेड बॉक्स इंडस्ट्री

कोलकाता, 6 मार्च (जनसत्ता)। कारुगेटेड बॉक्स इंडस्ट्री यानी गत्ते से पैकेजिंग बॉक्स तैयार करने वाले इन दिनों खासे संकट में हैं। इस्टर्न इंडिया कारुगेटेड बॉक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (ईआईसीएमए) के अध्यक्ष हेमंत सरावगी ने आज पत्रकारों को बताया कि कागज के बढ़ते दाम के कारण कारुगेटेड बॉक्स इंडस्ट्री की हालत पतली होती जा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री से इस बाबत हस्तक्षेप की अपील की गई है, लेकिन केंद्र सरकार भी बड़े पेपर मिलों को नियंत्रित करने में असमर्थ है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में कारुगेटेड बॉक्स इंडस्ट्री का कारोबार साढ़े सात हजार करोड़ का है। इसमें से साढ़े चार सौ करोड़ का कारोबार पश्चिम बंगाल समेत पूर्वी क्षेत्र का है।

सरावगी ने बताया कि राज्य की बड़ी पेपर मिलें क्राफ्ट पेपर का दाम बेशुमार तरीके से हर दिन बढ़ा देती हैं। इसकी वजह से बढ़े दाम पर ग्राहक हमारे तैयार किए गए बक्सों को खरीदना नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि इसके लिए केंद्र सरकार को नई नीतियां तैयार करनी चाहिए।

इस प्रेस कांफ्रेंस में फेडरेशन ऑफ कारुगेटेड बॉक्स मैन्युफेक्चरर्स ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल समेत पूर्वी क्षेत्र में कारुगेटेड उद्योग से प्रत्यक्ष तौर पर 40 हजार लोग जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने पेपर मिलों को नियंत्रित नहीं किया तो हमारी इंडस्ट्री बंद हो जाएगी। इसके लिए सरकार को अविलंब उपाय ढूंढ़ना चाहिए, वरना हड़ताल पर जाने या सड़क पर उतरने के लिए हम मजबूर हो जाएंगे।